समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

शेयर बाजार मे गिरावट के बीच अडानी ग्रुप के शेयरों मे उंछाल, सेबी ने दी क्लीन चिट

Publisher

Published on 19 Sep 2025

आज शेयर बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। जहाँ **निफ्टी और सेसेंक्स** गिरावट के साथ खुलें, वहीं **अडानी ग्रुप के शेयरों** में भारी उछाल ने निवेशकों का ध्यान खींचा।

मार्केट में सामान्य तौर पर मंदी का माहौल था। बावजूद इसके अडानी ग्रुप के शेयरों में **13% तक की तेजी** दर्ज की गई। यह तेजी सीधे तौर पर **सेबी द्वारा हिंडनबर्ग रिसर्च मामले मे दी गई क्लीन चिट** से जुड़ी हुई मानी जा रही है।

सेबी की क्लीन चिट का असर

सेबी (Securities and Exchange Board of India) ने हाल ही में गौतम अडानी और उनके परिवार को **हिंदनबर्ग रिसर्च के आरोपों** पर क्लीन चिट दी। इससे अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में **भारी निवेशक विश्वास** लौटा। क्लीन चिट के बाद निवेशकों ने तुरंत शेयरों में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे **शेयरों की कीमत मे उंछाल** आया। विशेषज्ञों का कहना है कि सेबी का यह निर्णय अडानी ग्रुप के लिए **ग्लोबल और घरेलू निवेशकों के विश्वास को मजबूत करने वाला कदम** है।

आज का ट्रेडिंग प्रदर्शन

आज शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में इस प्रकार तेजी देखी गई:

- **अडानी टोटल गैस**: 13% बढ़कर 687.35 रुपये पर पहुंचा।
- **अडानी पावर**: 9% बढ़कर 686.95 रुपये पर पहुंचा।
- अन्य अडानी कंपनियों के शेयरों में भी 7–12% तक की तेजी देखी गई।

इस तेजी के कारण अडानी ग्रुप की कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन में **काफी इज़ाफा** हुआ।

हिंडनबर्ग रिसर्च मामला

हिंदनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल अडानी ग्रुप पर **कंपनी और शेयरधारकों के हितों के खिलाफ वित्तीय गड़बड़ी** का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप की कंपनियों पर **ऋण, संपत्ति और लेखांकन मे अंनियमितताओं** का दावा किया गया था। इस रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी गिरावट आई थी। लेकिन अब सेबी की क्लीन चिट ने यह स्पष्ट कर दिया कि आरोप **बिना पर्याप्त सबूत के लगाए गए थे।**

निवेशकों की प्रतिक्रिया

अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी आने के बाद निवेशकों ने राहत की सांस ली। शेयर बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सेबी की क्लीन चिट ने **निवेशक आत्मविश्वास** बहाल किया है। निवेशकों ने कहा कि अब अडानी ग्रुप की कंपनियों में निवेश करने का **जोखिम कम हो गया** है। घरेलू और विदेशी निवेशकों ने तेजी से शेयर खरीदे, जिससे बाजार में मांग बढ़ी और शेयरों की कीमतों में उछाल आया।

अडानी ग्रुप की ताकत

अडानी ग्रुप भारत के **तीसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने** में से एक है। यह समूह ऊर्जा, पोर्ट, एयरपोर्ट, और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है। शेयर बाजार में अडानी ग्रुप की कंपनियों की मजबूत उपस्थिति और उच्च मार्केट कैपिटलाइजेशन इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है।

विशेषज्ञों की राय

शेयर बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस उछाल के बाद अडानी ग्रुप के शेयर **अगले कुछ हफ्तों मे और मजबूती दिखा सकते है। फाइनेशियल एनालिस्ट** का कहना है कि सेबी की क्लीन चिट ने निवेशकों के विश्वास को बहाल किया है और यह ग्रुप के दीर्घकालिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि शेयर बाजार में सामान्य गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन **अडानी ग्रुप के शेयर इस संकट से बाहर निकलने मे संफल रहे है।**

आगामी चुनौतियाँ और अवसर

अडानी ग्रुप के लिए अब आगे की चुनौतियाँ और अवसर दोनों मौजूद हैं।

1. **ग्लोबल निवेशकों का ध्यान**: क्लीन चिट के बाद विदेशी निवेशक भी ग्रुप की कंपनियों में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं।
2. **मार्केट की अस्थिरता**: शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव से कंपनी को सतर्क रहना होगा।
3. **विस्तार योजनाएँ**: उभरते क्षेत्रों में निवेश और नए प्रोजेक्ट्स के लिए पूंजी जुटाना अब आसान होगा।

शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद **अडानी ग्रुप के शेयरों मे आज भारी उछाल** ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत ब्रांड और नियामक स्वीकृति निवेशकों के विश्वास को तुरंत बढ़ा सकती है। सेबी की क्लीन चिट ने अडानी ग्रुप को नए निवेश और विस्तार के अवसर प्रदान किए हैं। आने वाले समय में अडानी ग्रुप की कंपनियों का प्रदर्शन शेयर बाजार में **निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत** जारी रख सकता है।

इस उछाल ने यह भी साफ किया कि **भरोसे और पारदर्शिता का निवेशकों पर तुरंत असर पड़ता है**, और भारतीय शेयर बाजार में ऐसी घटनाएँ निवेशकों के दृष्टिकोण को गहरा प्रभावित करती हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.